Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 19-04-2005

Participants : Bansal Shri Pawan Kumar,Singh Shri Prabhunath,Yadav Shri Devendra Prasad,Tripathy Shri Braja Kishore,Salim Shri Mohammad,Mukherjee Shri Pranab,Malhotra Prof. Vijay Kumar,Singh Shri Mohan,Acharia Shri Basudeb

>

Title: Regarding situation arising out of the filing of allegedly varying affidavits by the Govt. in Supreme Court relating to defence purchases and not laying the report of the Justice Phukan Commission.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे अनुमति मांगी थी। ...(व्यवधान)

एक बहुत ही इल्लिगल, अनकॉन्स्टीट्यूशनल ...(व्यवधान)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, यह क्वैश्चन आवर के बाद भी यह मामला उठा सकते हैं। ...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हमारा भी सवाल है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seats.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: Your suggestion is very valuable, but when the Speaker has allowed some hon. Member to speak, you should have the courtesy to listen to him.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): Sir, I have a point of order... (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, आप उनको समझाएं कि कोई प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded for the time being except what Shri Vijay Kumar Malhotra says.

(Interruptions) ...*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सरकार ने रक्षा सौदों के बारे में सुप्रीम कोर्ट में एक एफिडैविट दिया। उस एफिडैविट से बिल्कुल कॉन्ट्राडिक्टरी, पूरी तरह से विरोधी, एक दूसरा एफिडैविट कुछ दिनों के बाद वहां दाखिल किया। वह न केवल इम्मॉरल था, इल्लिगल था, अनकॉन्स्टीट्यूशनल था, बल्कि वह पूरी तरह से

*Not Recorded.

प्रतिशोध की भावना से दाखिल किया गया।...(व्यवधान) लगातार ढ़ाई वर्षों तक ये लोग जब तक

ऑपोजिशन में रहे तो जॉर्ज साहब के खिलाफ निराधार और गलत आरोप लगाते रहे। अब सत्ता में आने के बाद उन्हीं आरोपों को लेकर चल रहे हैं। बात यह हुई थी कि जो पहला एफिडैविट दाखिल हुआ था, उसमें जॉर्ज साहब को क्लीन चिट दे दी गई और यह कहा गया कि किसी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ, किसी नियम की अवहेलना नहीं हुई, कोई नियम नहीं तोड़ा गया। कांग्रेस पार्टी ने ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have allowed you to raise it. Let us go on with the Question Hour, please.

... (*Interruptions*[r2])

MR. SPEAKER: He will conclude just now.

... (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : कल सुप्रीम कोर्ट ने कहा है सरकार डिसाइड करेगी कि क्या करना है । सुप्रीम कोर्ट ने इसे सरकार पर छोड़ा । ...(व्यवधान) सरकार इतनी बेईमानी के साथ व्यवहार करेगी, यह काफी आश्चर्यजनक है । तीन साल तक लगातार ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Well, the Leader of the House wants to respond.

... (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Let me finish it, he should not interrupt me. .... (*Interruptions*) सारे हिंदुस्तान में श्रीमती सोनिया गांधा जी चुनाव का प्रचार करती रहीं, यहां तक कि कफन चोर कहा गया...(व्यवधान) श्रीमती सोनिया गांधी जी को लगा कि उनकी फजीहत हो रही है, उनके आरोप झूठे साबित हो रहे हैं तो दूसरा एफिडेविट देने के लिए दबाव डाला । पहले झारखंड में, फिर गो वा में, और फिर झारखंड और गोवा के बाद यहां पर आ कर रक्षा सौदों में इस तरह से व्यवहार करना...(व्यवधान)

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): The practice of some of the Members of the Opposition... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let us conduct ourselves. Shri Malhotra, you wanted to raise a matter, I have allowed you. Now, please allow me to say one sentence.

आप बैठिए । उनको पहले ही इजाजत दी गई है । सब एक साथ खड़े होंगे तो वे भी खड़े होंगे । आप बैठिए, आपके लीडर भी बैठे हैं । हमने उनको पहले इजाजत दी है ।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : महोदय, हमने नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए । एक एक करके सुनेंगे । The Leader of the House wants to respond.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: The practice of some of the Members of the Opposition is that they will raise the issue and without listening to the response of the Government, they will simply start creating noise. About

the matter which has been brought to the notice of the House by Prof. Vijay Kumar Malhotra, the Government is fully prepared to have a full-fledged discussion on it at any point of time, on any form of notice. In whatever form the Opposition wants to have a discussion, we are prepared to have a discussion. If the hon. Speaker agrees, the discussion can take place today itself in the afternoon or the discussion can take place tomorrow in whatever form, in whatever manner. If the hon. Member wants to have a discussion, we are ready for it. But, I refute the insinuation brought by the hon. Member that the affidavits contradict each other. Nothing like that has happened. Normal course of action as per law and practice has taken place in this matter. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: We can discuss that.

… (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सीवीसी की पूरी रिपोर्ट नहीं रखी गई …(व्यवधान) यहां पर पूरी तरह से झूठा एफिडिविट…(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): What is this Sir?… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 11.30 a.m.

11.14 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till thirty minutes past Eleven of the Clock.

---

*Not Recorded.

The Lok Sabha re-assembled at thirty minutes

past Eleven of the Clock.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Prof. Malhotra, have you not finished?

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Sir, I am concluding.

MR. SPEAKER: Please try to finish within a brief period. There is already an offer by the Leader of the House for a discussion on this.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, मैं आपके सामने यह बात रख रहा था कि एक कंट्राडिक्टरी एफिडेविट देकर सारे सिस्टम को मौकरी किया गया है। क्योंकि तीन साल से ...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (CHANDIGARH): We have an objection to that point. Are they talking on merit? Or, are they wanting to make a point otherwise? उस पर बहुत कुछ कहने को है।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, जॉर्ज साहब ने 10 महीने पहले सरकार को एक चिट्ठी लिखी...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have requested him to conclude soon. Please be brief.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जिसमें यह कहा कि यदि उनके खिलाफ कोई आरोप हो तो कार्यवाही की जाये लेकिन 10 महीने तक कोई कार्यवाही नहीं की गई।...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : There is no question of giving up anything.... (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उस मामले में एक केस भी ऐसा नहीं बतलाया गया जिसमें कोई गड़बड़ की बात हुई हो। सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया कि सारी बातें रूल के मुताबिक हुई हैं। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार फैसला करे, नहीं तो हम बीच में आयेंगे...(व्यवधान) अध्यक्ष जी, यहां पर गलत तरीके से तीन साल तक सारे चुनाव कांग्रेस पार्टी इसी बात पर लड़ती रही।...(व्यवधान) सारे के सारे चुनाव असत्य और बेईमानी पर आधारित थे। जब फजीहत हुई और पता चला कि इसमें कोई बात नहीं हुई है, तब 10-जनपथ से ऑर्डर दिया गया...(व्यवधान) इनको ऑरेडर दिया गया और ऑर्डर देकर एफिडेविट बदलवाया गया। इसलिये हमारी मांग है कि यह सैकिंड एफिडेविट वापस लिया जाये, सी.वी.सी. की रिपोर्ट यहां रखी जाये, फूकान कमीशन की रिपोर्ट यहां रखी जाये। और इन सारी बातों पर विचार किया जाये...(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : They have no business to suspend the Question Hour.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री प्रभुनाथ सिंह जी। मैं सब से रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि एक-एक कर के बोलिये।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will call you. I will give you a chance to speak.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं एक-एक कर के सब को बुलाऊंगा।

...(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Let there be a full-fledged discussion.

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, आप बोलिये।

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Ananth Kumar, please allow him to speak.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, सर्वोच्च न्यायालय में एक के बाद दूसरा हलफनामा देने के संबंध में जहां देश में वि वाद उठा है, वहां देश की जनता की नज़र में एक संशय की स्थिति भी बनी हुई cè[RB3]।

हमने आपके यहां एक नोटिस दिया है, उस नोटिस में हमने कहा है कि ऐसे गंभीर सवाल पर सदन की कार्रवाई स्थगित करके इस पर चर्चा कराई जाए। इससे पहले जब एन.डी.ए. की सरकार थी और श्री जॉर्ज फर्नांडीज रक्षा मंत्री थे तो दो मामलों को लेकर इस सदन में जो उस समय के विपक्ष के लोग थे, बहिकार किया करते थे। उसी संबंध में नानावती आयोग और फूकन आयोग ने पूर्ण जांच करके एक रिपोर्ट दी है और रिपोर्ट के आधार पर सरकार की तरफ से सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा भी दाखिल किया गया था। लेकिन हलफनामा के बाद जब मीडिया में यह बात आने लगी कि श्री जॉर्ज फर्नांडीज को क्लीन चिट दी गई तो एक बवाल मचा। बवाल मचने के बाद इसमें दो सवाल खड़े होते हैं - पहला सवाल है कि जिस पदाधिकारी ने हलफनामा दिया था, क्या उसने रक्षा मंत्री को विश्वास में लिया था या नहीं।

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): This is not a matter of public importance.... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अगर रक्षा मंत्री को विश्वास में लिये बिना उसने इस तरह का हलफनामा दिया तो क्या उस पर कोई कार्रवाई की गई है। अगर रक्षा मंत्री को विश्वास में लेकर उसने हलफनामा दिया तो क्यों ऐसी परिस्थिति आई, किसके दवाब में रक्षा मंत्री ने वह हलफनामा बदलने का काम किया है। हम जानना चाहते हैं कि अगर किसी के दवाब में हलफनामा में बदलाव किया गया है और श्री जॉर्ज फर्नांडीज के चरित्रहनन का प्र यास किया गया है। श्री प्रणव मुखर्जी देश के बहुत सीनियर लीडर हैं, वह विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। भले ही उनकी साख बंगाल में हो या नहीं हो, कांग्रेस पार्टी में उनकी साख बराबर रही है। आज नैतिकता का तकाजा है कि उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इस तरह का गलत हलफनामा क्यों दिया गया।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will see what is to be done.

... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम चाहते है कि सदन की कार्रवाई स्थगित करके इस पर चर्चा कराई जाए। यह हमारी आपसे मांग है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये, आपने बहुत अच्छा सुझाव दिया है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, although it was a Question Hour, I have permitted some Members to speak. Shri Malhotraji has spoken. There was a notice by him. Shri Prabhunath Singh has spoken. There is a notice by Shri Braja Kishore Tripathy. I am now going to call him. I am not minimizing the importance of this matter.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please listen to the Chair. The hon. Leader of the House has already intervened, and has himself said in the House that Government is ready for a discussion. I have no objection to have a full-fledged discussion on this, provided you decide on which time, and in what form it would be done. Therefore, if you do want to have a discussion now, and if any hon. Member wishes to make a submission, I will allow him. But I am requesting you that let us not be so confrontational that the House does not function. Let the country know what you are saying. Everyday I am making this request that please listen to each other, and then take your decision. Now, Shri Tripathy please.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : रुल्स के मुताबिक छः महीने में फूकन कमीशन की रिपोर्ट …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will come to that. There is a notice by him. This is another issue.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There is a notice. I can tell Mr. George Fernandes, the hon. Member that I have already taken up the matter with the Government, and I am expecting that some action will be taken. It is not that I am sitting quiet.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : It is the most serious matter. On the one hand, the Government is filing an affidavit, and on the other hand …(*Interruptions*) some counter affidavit is there, which is vague. The second affidavit is contradictory in itself. … (*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल : केन्द्र सरकार की सी.वी.सी. की रिपोर्ट पी.ए.सी. के पास नहीं आने दी, आप कहां की बात कर रहे हैं।…(व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : First they are filing an affidavit. In the second affidavit, they are admitting that it is vague and evasive. … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : अभी तो उन्हें बोलने का मौका दीजिए।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : How is this Government? Sir, first of all, I want to bring to your notice that Justice K. Venkataswami had resigned from the Commission following an attack on his integrity by certain Congressmen, who are now Ministers in the present Government. … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : यह इसमें नहीं आयेगा।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY: Justice Phukan has submitted a report pertaining … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: That is a different matter. I will come to it.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Justice Phukan has submitted a Report which is not being placed before the Parliament. This is a serious matter.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not fair. फूकन कमीशन के बारे में आपने बोला cè[R4]।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI GHULAM NABI AZAD): Sir, I would request that after Mr. Md. Salim, the hon. Minister of Defence must be heard. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The statement of hon. Member Mr. Md. Salim would only be taken on record. I have called Mr. Salim; only Mr. Salim's statement would be taken on record.

… (*Interruptions*)

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता-उत्तर पूर्व) : अगर आप अपनी बात कहते हैं तो सुनने का साहस भी रखना चाहिए। (व्यवधान) रक्षा सौदों के मामले में शुरू से हम वामपंथियों का रुख रहा है कि यह कोई होली काउ, सैक्रेड काउ नहीं है। इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए और सदन को विश्वास में लेना चाहिए और खासकर एनडीए सरकार के जमाने में रक्षा मंत्रालय और रक्षा मंत्री खुद सरे आम जिस तरह से मशहूर हुए हैं, पूरा देश जानता है। पिछले चुनावों में भी यह एक बड़ा मुद्दा रहा है और हम चाहते हैं कि उस बारे में चर्चा हो और यहां पर सरकार से हम कहते है कि रक्षा मंत्रालय में कौन ऐसे लोग हैं जो सरकार के अंदर रहकर भी पुरानी एनडीए सरकार की दलाली करते हैं। उन्को भी निकाला जाना चाहिए। .....(व्यवधान)

11.41 hrs.

(At this stage Shri Ashok Pradhan and some other Hon`ble Members

came and stood on the floor near the Table).

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, यह संवैधानिक औचित्य का प्रश्न है। एक सवाल के ऊपर एक ही सरकार के दो कैबिनेट मंत्री आपस में सार्वजनिक रूप से लड़ते हैं। एक मंत्री कहता है कि हमारे विभाग द्वारा दिए हुए शपथपत्र को दूसरे विभाग ने अपने आप बदल दिया। यह संवैधानिक औचित्य का प्रश्न है, जब सरकार के दो कैबिनेट मंत्री जो एक ही घटक के हैं, आपस में एक सवाल के ऊपर दो राय रखते हैं, तो इससे यह बात सिद्ध होती है कि यह सारी कार्रवाई राजनीतिक बदले की भावना से की जा रही है और कोई भी कार्रवाई जो राजनैतिक बदले की भावना से की जा रही है, उस पर इस सदन के भीतर चर्चा के बाद ही देश के सामने तथ्य लाए जाने चाहिए, यह हमारी मांग है। …(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : ये इस ढंग से सदन में सरकार पर दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं कि जो कार्रवाई सरकार कर रही है, वह कार्र वाई सरकार न करे। ये जानते हैं कि ये गुनहगार हैं, ये जानते हैं कि घोटाले हुए हैं। इसलिए ये इस मामले पर डिसकशन नहीं चाहते। सिर्फ दबा व डालने के लिए ये ऐसा काम कर रहे हैं। …(व्यवधान) जो कार्रवाई सरकार कर रही है, जो मैटर सीबीआई को रैफर किए हुए हैं, उनके लिए सरकार पर दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please go back to your seats.

… (*Interruptions*)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Sir, they are trying to put pressure on you to adjourn the House. … (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, यह जो मामला है, यह देश के रक्षा सौदों से जुड़ा हुआ मामला है। कोई भी सरकार हो, उसके द्वारा सदन को विश्वास में नहीं लिया जाता है जिसके चलते इस तरह का घपला होता है। तहलका कांड के वीडियो टेप भी सदन में लाये जाने चाहिए और उस मामले पर बहस होनी चाहिए। यह देश के रक्षा सौदे से जुड़ा हुआ मामला है जो अति संवेदनशील मामला है। इसलिए इसके गुण और दोा पर निश्चित रूप से चर्चा होनी चहिए और सदन में इस बात का कोई नतीजा निकलना चाहिए। दो हलफ़नामों के बीच जो लोग हाँफ रहे हैं, उनको निकाला जाना चाहिए। …(व्यवधान)

दो हलफ़नामों के बीच कुछ लोग हाँफने लगे हैं। …(व्यवधान) सरकार द्वारा सदन को विश्वास में न लेने की जो परिपाटी है, उसके चलते यह मामला इतना गंभीर हो गया है। यह मामला संवैधानिक भी है, गंभीर भी है और भ्रटाचार को बढ़ाने वाला मामला है। इसलिए सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और सभी नेताओं को विश्वास में लेना चाहिए। …(व्यवधान) मैं मांग करता हूँ कि रक्षा सौदों के मामले पर इस सदन में चर्चा cÉä[h5]। इस पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए ।

MR. SPEAKER: Three of your eminent hon. Leaders have already spoken. There is an offer for immediate discussion. It is entirely for the parties and hon. Leaders of the House to decide.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let me at least have a little satisfaction. हम लोग छह बजे तक काम करने के लिए आए हैं ।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Therefore, there is an offer on the floor of the House that the Leader of the House is for an immediate discussion on this matter. I am requesting all the hon. Members. There are so many important issues.

… (*Interruptions*)

SHRI A. KRISHNASWAMY (SRIPERUMBUDUR): Sir, please allow us to speak. We apprehend that our Leader, Kalaignar M. Karunanidhi, has been arrested by the Jayalalithaa Government today. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I do not understand what you are doing. I do not know what is your matter. I do not know anything.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: May I know from the hon. Leader of the Opposition? Do you want the House to run today or not? Your hon. Members are here.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: So, may I know from him? Please request them to go to their seats.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please go back to your seats. इस तरह से कुछ भी बात नहीं हो सकती है । आप सभी अपनी सीट पर जा कर बोलिए ।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: My request to all of you is to go back to your seats[R6].

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I am not asking you to tolerate this Government. My only request is let the House run. जो बोलना है, वहां से बोलिए।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Very well. Hon. Members, please allow me to say something at least.

… (*Interruptions*)

**अध्यक्ष महोदय : ** यहां बोलने से कुछ रिकॉर्ड नहीं होता है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Except to express my anguish I cannot do anything. It is another day of very great anguish for me. Unfortunately the Questions could not be taken up.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I am not blaming any particular person or Party. Please do not put anything into my mouth. But I want to give public notice here today that from tomorrow I shall not adjourn the House come what may.

With this notice that there will be no such adjournments from tomorrow, I adjourn the House today to meet tomorrow 20th April, 2005 at 11 a.m.